Dr Rupashree Jawar
PG IInd sem study material
Paper - VII (Psychopathology)

Personality Disorder
व्यक्तित्व विकृतियां

Personality disorder को character disorder भी कहा जाता है यह एक ऐसी सामान्य श्रेणी है जिसमें उन सभी व्यक्तियों को रखा जाता है जिनके व्यक्तित्व के शीलगुणों का विकास अपरिपक्व और विकृत हो जाता है। वह अपने वातावरण के प्रत्येक चीज, घटनाओं एवं व्यक्ति के बारे में दोषपूर्ण चिन्तन और perception करते हैं जिसके कारण उनमें कुसमायोजनशीलता इतनी बढ़ जाती है कि लोग उनसे तंग आ जाते हैं। यह disorder किसी stressful situation के प्रति प्रतिक्रिया नहीं है। यह एक अपरिपक्व व्यक्तित्व विकास का प्रतीक है। इसके लक्षण किशोरावस्था तक स्पष्ट हो जाते हैं।

According to Carson & Butcher (1992) "सामान्यतः व्यक्तित्व विकृतियां व्यक्तित्व शीलगुणों का एक कठोर या अतिरंजित प्रारूप है जो व्यक्ति को स्थायी व्यवहार विशेषकर अंतवैयक्तिक प्रकृति के व्यवहार को करने के लिए एक झुकाव उत्पन्न करता है।"

According to DSM IV (1994) "व्यक्तित्व विकृति व्यवहार तथा आन्तरिक अनुभूतियों का एक ऐसा स्थायी पैटर्न होता है जो व्यक्ति की संस्कृति की प्रत्याशाओं से लंब रूप में विचलित होता है, अनम्य एवं व्यापक होता है, जिसकी शुरुआत किशोरावस्था या आरंभिक बाल्यावस्था में होता है. जो विशेष समय तक स्थिर रहता है. तथा जिससे तकलीफ एवं हानि होती है।"

According to Davison & Neale (1996) "व्यक्तित्व विकृति विकृतियों का विषम समूह है जो वैसे व्यवहारों एवं अनुभूतियों का स्थायी एवं अनम्य पैटर्न होता है जो सांस्कृतिक प्रत्याशाओं से विचलित होता है और तकलीफ या हानि पहुंचाता है"

Scanned with CamScanner

अतः उपर्युक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि personality disorder में व्यक्ति में behavioural deviations इतनी अधिक और विचित्र होती है कि दूसरे लोगों के लिए उनसे कोई अर्थ निकालना संभव नहीं होता है ~~क्या~~ तथा उनका व्यवहार unpredictable हो जाता है। personality disorder के प्रायः सभी लक्षण adolescence तक स्पष्ट हो जाती है जो adulthood तक बनी रहती है लेकिन middle age या old age के आते-2 करीब समाप्त हो जाती है।

Clinical Picture of Personality Disorder

(1) विघटित व्यक्तित्व संबंध
(2) चिरकालिक दुखदायी व्यवहार
(3) नकारात्मक नतीजा
(4) एक ही कुसमायोजी व्यवहार को दोहराना।
(5) व्यक्तित्व विकृति
(6) व्यवहार परिवर्तन के विरोधी

1. विघटित व्यक्तित्व संबंध → ऐसी व्यक्तियों का व्यक्तिगत संबंध अन्य व्यक्तियों के साथ इतना बुरा होता है कि अन्य लोग इससे काफी नाराज और घबड़ाए हुए भी रहते हैं।

2. चिरकालिक दुखदायी व्यवहार — Personality disorder में व्यक्ति ऐसा व्यवहार काफी लम्बे समय से दिखलाता है जो दूसरों के लिए कष्टकर और दुखदायी होता है।

3. नकारात्मक नतीजा personality disorder में व्यक्ति को अपनी जिन्दगी की घटनाओं का नकारात्मक नतीजा ही सामने आता है। इन नकारात्मक नतीजों में divorce, addictive disorder criminal disorder आदि प्रधान हैं।

4. एक ही कुसमायोजी व्यवहार को दोहराना - personality disorder में जो भी विशेष व्यवहार पैटर्न जैसे - शक करना, विद्वेष दिखलाना, विद्रोह करना आदि विकसित होता है वह प्रत्येक परिस्थिति में इसके द्वारा दिखलाया जाता है। जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति एक ही तरह का कुसमायोजी व्यवहार बार-2 करता है।

5. व्यक्तित्व विकृति - Personality disorder में व्यक्ति अपनी समस्याओं एवं कुसमायोजी पैटर्न से छुटकारा पाना नहीं चाहता है, जिसके कारण वह अपनी ओर से शायद ही कभी किसी प्रकार की चिकित्सा उपायों को अपनाता है। वह चिकित्सक के साथ खींचतान करता है, या उसके साथ पूर्ण सहयोग नहीं दिखलाता है।

6. व्यवहार परिवर्तन के प्रति विरोधी - personality disorder में व्यक्ति द्वारा ऐसा व्यवहार pattern दिखलाया जाता है जिसमें वह किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं करना चाहता है।

Types of personality disorder

DSM IV के अनुसार personality disorder के निम्नांकित प्रमुख 10 प्रकार है।

1. Paranoid personality disorder
2. Schizoid personality disorder
3. Schizotypal personality disorder
4. Histrionic personality disorder
5. Antisocial personality disorder
6. Borderline personality disorder
7. Avoidant personality disorder
8. Dependent personality disorder
9. ~~obsessive~~ obsessive-compulsive personality disorder
10. Narcissistic personality disorder

Scanned with CamScanner

इस classification में Paranoid PD, Schizoid PD, Schizotypal PD को cluster A में रखा गया है। ये तीनों व्यक्तित्व विकृतियों के लक्षणों की समानता schizophrenia के शेड़ लक्षणों से काफी अधिक होती है।

Antisocial PD, Borderline PD, Histrionic PD and Narcissistic PD को cluster B में रखा रखा गया है। क्योंकि इन सबों का व्यवहार नाटकीय, सांवेगिक तथा सनकी तरह का होता है। इनमें विशेष तरह के Behavioral traits पाये जाते हैं।

Avoidant PD, dependent PD, obsessive-compulsive PD को cluster C में रखा जाता है। इन सबों में Anxiety या fear, Rigidity in Behaviour तथा emotional warmth की कमी पायी जाती है।

1 Paranoid Personality Disorder — ऐसे PD वाले व्यक्तियों में मूल रूप से शक, अतिसंवेदनशीलता ईर्ष्या Rigidity आदि जैसे शीलगुणों की प्रधानता रहती है। ऐसे लोग अपने गलत कार्यों को भी सही ठहराने की कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्तियों का व्यवहार हर तरह से दोषपूर्ण होता है।

2 Schizoid Personality disorder — ऐसे व्यक्तियों में लोगों के साथ सामाजिक संबंध बनाये रखने की असमर्थता होती है और साथ-2 उनकी इस दिशा में कोई अभिरुचि नहीं होती है। ऐसे लोगों में अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने की पूरी क्षमता नहीं होती है।

3 Schizotypal personality disorder - ऐसे व्यक्ति एकान्तप्रिय, अतिसंवेदनशील तथा बातचीत में अजीब दिखलाने वाले होते हैं। schizoid व्यक्तित्व वाले व्यक्ति से इनकी समानता बहुत अधिक होती है। ऐसे व्यक्तियों का चिन्तन, perception में eccentricity काफी अधिक होती है, ऐसे लोगों में reality का ज्ञान होता है फिर भी इनमें व्यक्तिगत और अविश्वासपूर्ण चिन्तन की प्रधानता होती है।

Scanned with CamScanner

4 Histrionic personality disorder - इस तरह की विकृति वाले व्यक्ति मूल रूप से कुछ ऐसे behavioural pattern दिखलाते हैं जिसमें अतिरिक्तता उत्तेजना, सांवेगिक अस्थिरता, ध्यान के लिए उतावलापन आदि की प्रधानता होती है। ऐसे व्यक्तियों का sexual adjustment interpersonal relationship disturb होता है। इनमें self centredness अधिक पायी जाती है।

5 Narcissistic Personality disorder - ऐसी विकृति वाले व्यक्तित्व में self importance की भावना काफी तीव्र एवं मजबूत होती है। ऐसे व्यक्ति महत्वाकांक्षी होते हैं और अपनी इच्छा और विचार को समझ दूसरों की इच्छा एवं विचार को कुछ समझते हैं। ऐसे व्यक्तियों में empathy की बहुत कमी होती है।

6 Anti Social personality disorder - इस प्रकार की विकृति वाले व्यक्ति लगातार आक्रमकता या अन्य समाज विरोधी व्यवहार दिखलाकर दूसरों के अधिकार की अवहेलना करते हैं। ऐसे लोग किसी भी तरह के असामाजिक एवं अनैतिक कार्य करने में हिचकिचाते नहीं हैं और वे इसे करना अपना अधिकार समझते हैं।

7 Boarderline personality disorder - इस तरह की विकृति वाले व्यक्ति में व्यक्तित्व लक्षण के अलावा कुछ ऐसे लक्षण भी पाये जाते हैं जो गंभीर मानसिक रोग यानि affective disorder में पाये जाते हैं। ऐसे विकृति वाले व्यक्ति में behavioural problems के अलावा moods shifts होते देखा जाता है। ऐसे व्यक्ति impulsive, unpredictable, unstable और aggressive होते हैं।

Scanned with CamScanner

Avoidant- Personality disorder - ऐसी disorder वाले व्यक्ति दूसरों द्वारा अपनी प्रति दिखलाया गए तिरस्कार तथा अवहेलना के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं ऐसे व्यक्तियों का limited social Relationship होता है

9 Dependent- personality disorder - ऐसी विकृति वाले व्यक्ति अन्य व्यक्तियों पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं और जब वे अकेले होते हैं तो उनमें बेचैनी का भाव उत्पन्न होता है ऐसे लोगों में self confidence की कमी होती है साथ ही साथ उनमें पर्याप्त क्षमता एवं कौशल होने के बावजूद भी वे अपने आप को निःसहाय पाते हैं।

10 Obsessive - compulsive personality - ऐसी विकृति वाले व्यक्ति में नियम, कानून आदि के प्रति सतर्कता अधिक होती है और वे इस बात पर अधिक बल डालते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अपने ढंग से कार्य करने की स्वतन्त्रता होनी चाहिए। ऐसे लोगों में अपनी warm feeling को अभिव्यक्त करने की अक्षमता होती है ऐसे व्यक्ति overinhibited, overconscientious, rigid प्रकृति के होते हैं इस तरह के विकृति वाले व्यक्तियों की जीवन-शैली obstinacy तथा compulsive orderliness से भरा होता है।